क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 339, मंगलवार, 08 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

नागरिकता संशोधन विधेयक को मिली मंजूरी, आज को लोकसभा में किया जाएगा पेश

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सोमवार को बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के गैर मुस्लिमों को भारतीय नागरिकता प्रदान के लिए नागरिकता संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी। इसका मसौदा दोबारा से तैयार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में विधेयक को मंजूरी दी गई। इसे मंगलवार को लोकसभा में रखे जाने की उम्मीद है। यह कदम को उठाए जाने से कुछ घंटे पहले ही विधेयक का परीक्षण करने वाली संयुक्त संसदीय समिति ने लोकसभा में अपनी रिपोर्ट पेश की थी। यह विधेयक 2016 में पहली बार पेश किया गया था। असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में इस विधेयक के खिलाफ लोगों का बड़ा तबका प्रदर्शन कर रहा है। उनका कहना है कि यह 1985 के असम समझौते को अमान्य करेगा जिसके तहत 1971 के बाद राज्य में प्रवेश करने वाले किसी भी विदेशी नागरिक को निर्वासित करने की बात कही गई थी, भले ही उसका धर्म कोई भी। नया विधेयक नागरिकता कानून 1955 में संशोधन के लिए लाया गया है। यह विधेयक कानून बनने के बाद, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई धर्म के मानने वाले अल्पसंख्यक समुदाय को 12 साल के बजाय छह साल भारत में गुजारने पर और बिना उचित दस्तावेजों के भी भारतीय नागरिकता प्रदान करेगा। भाजपा ने 2014 के चुनावों में इसका वायदा किया था। पूर्वोत्तर के आठ प्रभावशाली छात्र निकायों के अलावा असम के 40 से ज्यादा सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों ने नागरिकता अधिनियम में संशोधन करने के सरकार के कदम के खिलाफ मंगलवार को बंद बुलाया है। जेपीसी रिपोर्ट को बहुमत से तैयार किया गया है क्योंकि विपक्षी सदस्यों ने धार्मिक आधार पर नागरिकता देने का विरोध किया था और कहा था कि यह संविधान के खिलाफ है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, माकपा समेत कुछ अन्य पार्टियां लगातार इस विधेयक का विरोध कर रही हैं।

सबरीमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर जारी है हिंसा

तिरुवनंतपुरम । केरल के सबरीमला मंदिर में सोमवार को पांचवें दिन भी हिंसा जारी रही और अब तक पुलिस ने सबरीमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ प्रदर्शन और हिंसात्मक गतविधियों में लिप्त छह हजार से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि राज्य में जारी हिंसा के मामले में 2182 केस दर्ज किए गए है, जिसके तहत 894 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जबकि 5817 लोगों को बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने गत वर्ष 28 सितंबर को सबरीमला मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं के प्रवेश की अनुमति दी थी, जिसके बाद गत बुधवार को दो महिलाओं ने भगवान अय्यप्पा के मंदिर में प्रवेश किया था, जिसके बाद केरल में हिंसक वारदातें हुईं है। कन्नूर सहित कई जिलों में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच झड़पें हो रही हैं। इसे लेकर पुलिस ने कई लोगों को नजरबंद करने की योजना बनाई है। सबरीमाला कर्मा समिति ने भी 12 वीं सदी के सबरीमला मंदिर में पुराने रीति-रिवाजों और परंपराओं को तोडने के खिलाफ अपना विरोध तेज करने का संकल्प लिया है।

सर्वणों को आरक्षण

मोदी सरकार ने दिया सवर्णों को 10फीसदी आरक्षण, सियासत शुरू

भोपाल।

लोकसभा चुनाव से चंद महीने पहले मोदी सरकार ने बड़ा दांव चलते हुए आर्थिक रुप से पिछड़े सर्वणों को आरक्षण देने का फैसला किया है। सरकार के फैसले के मुताबिक गरीब सवर्णों को नौकरी और शिक्षा में 10 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की जाएगी। मोदी सरकार के इस फैसले के बाद से देश में राजनीति भी शुरू हो गई है। मध्यप्रदेश के आदिम जाति कल्याण मंत्री ओंकार सिंह ने कहा है कि आरक्षण के नाम पर समाज और जातियों को बांटने की कोशिश की जा रही है। तो वहीं कांग्रेस के एक अन्य विधि मंत्री पीसी शर्मा ने मोदी सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र ने एक एतिहासिक फैसला किया है। आर्थिक आधार पर सवर्णों को भी 10 त्न आरक्षण देकर सरकारी नौकरियों में जगह मिले इसका प्रावधान किया है। यह अपने आप में एक एतिहासिक फैसला है। सरकार ने पहले से ही यह निर्णय किया था सबका साथ सबका विकास और उसी रास्ते पर समाज के सभी वर्गों को स्थान मिले इस दिशा में ये सरकार काम करती आई है। कांग्रेस के आरोप लगाने के सवालों पर राकेश सिंह ने कहा कि, आरोप तो कभी भी कोई भी लगा सकता है। मोदी सरकार के इस फैसले से पूरे देश में जो स्वीकार्यता आई है। इसीलिए कांग्रेस भयभीत है। आज पूरा देश मोदी के लिए आभार प्रकट कर रहा है। मध्यप्रदेश की सात करोड़ जनता भी पीएम मोदी के इस कदम के लिए आभार प्रकट कर रही है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री शिवाराज सिंह ने कहा कि बीजेपी के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर आगे बढ़ते हुए आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों को 10त्न आरक्षण प्रदान करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कैबिनेट के ऐतिहासिक निर्णय का अभिनंदन करता हूं। इससे निश्चित रूप से लंबे समय से लाभ से वंचित रहे सवर्णों को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस क्रांतिकारी पहल से आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। इस फैसले को लागू करने के लिए संकल्पित हैं। समाज के हर वर्ग का उत्थान व नये भारत का निर्माण ही हमारा ध्येय है। देशवासियों की ओर से मैं आदरणीय प्रधानमंत्री का फिर से आभार व्यक्त करता हूं। मोदी सरकार सवर्ण आरक्षण आर्थिक आधार पर ला रही है, जिसकी अभी संविधान में व्यवस्था नहीं है। इसलिए सरकार को आरक्षण लागू करने के लिए संविधान में संशोधन करना ही होगा। संविधान के अनुच्छेद 15 और अनुच्छेद 16 में बदलाव किया जाएगा। दोनों अनुच्छेद में बदलाव कर आर्थिक आधार पर आरक्षण देने का रास्ता साफ हो पाएगा। 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने भी आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया था और 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की थी। हालांकि 1992 में कोर्ट ने उसे निरस्त कर दिया था। आठ लाख से कम आमदनी हो कृषि भूमि 5 हेक्टेयर से कम हो घर है तो 1000 स्क्वायर फीट से कम हो निगम में आवासीय प्लॉट है तो 109 यार्ड से कम जमीन हो निगम से बाहर प्लॉट है तो 209 यार्ड से कम जमीन हो बता दें कि वर्तमान समय में देश में 49.5 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था है। इसमें अनुसूचित जाति के लिए 15 फीसदी, अनुसूचित जन जाति के 7.5 फीसदी और ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था है। आरक्षण आर्थिक रूप से पिछड़े ऐसे गरीब लोगों को दिया जाएगा जिन्हें अभी आरक्षण का फायदा नहीं मिल रहा है

लोकसभा में सीतारमण का जवाब, कहा- देश को गुमराह कर रहे राहुल गांधी

नेशनल डेस्क।

राफेल डील को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार फिर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के आरोपों का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने जो सदन में कहा था वो सही कहा था। रक्षा मंत्री ने लोकसभा में शून्यकाल शुरू होने पर अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 2014 से 2018 के दौरान 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं और 73 हजार करोड़ रुपये के अनुबंध पाइपलाइन में हैं, इसलिए लोकसभा में दिए उनके वक्तव्य पर संदेह खड़े करना 'गलत और गुमराह' करने वाली बात है। उनके बयान की पुष्टि खुद एचएएल की ओर से की गई है। सीतारमण ने कहा कि 2014 से 2018 के दौरान एचएएल ने 26570.8 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं तथा 73,000 करोड़ रुपये के अनुबंध पाइपलाइन में हैं । इस तरह से एचएएल के पास कुल एक लाख करोड़ रुपये के अनुबंध हैं। मंत्री ने कहा कि चार जनवरी को राफेल मामले पर चर्चा का जवाब देते हुए एचएएल को मिले अनुबंध के संदर्भ में जो बात की थी, उसकी पुष्टि खुद एचएएल की तरफ से की गई है। उन्होंने कहा कि मेरे चार जनवरी के वक्तव्य को लेकर संदेह खड़े करना गलत और गुमराह करने वाली बात है। रक्षा मंत्री के वक्तव्य के दौरान कांग्रेस के सदस्यों ने हंगामा किया और गलतबयानी का आरोप लगाया। इस दौरान कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमने सदन को गुमराह करने को लेकर रक्षा मंत्री मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दे रखा है। इस पर स्पीकर सुमित्रा महाजन ने कहा कि यह नोटिस उनके विचाराधीन है। गौरतलब है कि सीतारमण का यह बयान उस वक्त आया है जब कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि रक्षा मंत्री ने एचएएल को मिले अनुबंध के संदर्भ में सदन के भीतर झूठ बोला।

ब्रिटेन अदालत ने क्रिकेट सटोरिए संजीव चावला के प्रत्यर्पण को दी मंजूरी

लंदन। ब्रिटेन की वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट की अदालत ने वर्ष 2000 में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान हैंसी क्रोनिए की संलिप्तता वाले मैच फिक्सिंग मामले में मुख्य आरोपी कथित सट्टेबाज संजीव चावला (50) के प्रत्यर्पण को सोमवार को मंजूरी दे दी। औपचारिक प्रत्यर्पण आदेश के लिए मामला अब गृह मंत्री साजिद जाविद के पास जाएगा। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, दिल्ली में जन्मा कारोबारी चावला 1996 में कारोबारी वीजा पर ब्रिटेन जाकर बस गया और भारत आता जाता रहता था। वर्ष 2000 में अपना भारतीय पासपोर्ट रद्द होने के बाद चावला ने 2005 में ब्रिटिश पासपोर्ट हासिल कर लिया और अब वह ब्रिटिश नागरिक है। नवंबर में ब्रिटिश हाईकोर्ट ने चावला को भारत प्रत्यर्पित करने के खिलाफ निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया और डिस्ट्रिक्ट जज को उसके खिलाफ प्रत्यर्पण कार्यवाही फिर शुरू करने का निर्देश दिया। नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में कारागार की सुरक्षा स्थिति पर भारत सरकार के आश्वासन को मानने के बाद ये निर्देश दिया गया। चावला 2017 में खुद को भारत प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ मामला जीत गया था। वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट ने कहा था कि पहली नजर में मामले में उससे पूछताछ जरूरी है, लेकिन तिहाड़ जेल में रखे जाने के दौरान उसके मानवाधिकार के संबंध में कोई गारंटी नहीं दी गई। चावला के प्रत्यर्पण के खिलाफ निचली अदालत के फैसले को खारिज करते हुए अपने फैसले में हाई कोर्ट ने कहा कि वह तिहाड़ जेल में कारगार की सुरक्षा की स्थिति के संबंध में दिए गए आश्वासन पर भरोसा करता है।

बीजेपी विधायक ने प्रोटेम स्पीकर के सामने शपथ लेने से किया इंकार

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष नामित किये गये एआईएमआईएम के मुमताज अहमद खान के हाथों सदन की सदस्यता की शपथ लेने से इनकार करने वाले भाजपा के विधायक टी. राजा सिंह ने सोमवार को कहा कि जब नियमित अध्यक्ष नयी विधानसभा का कामकाज संभाल लेंगे तब ही वह शपथ ग्रहण करेंगे। सिंह ने कहा था कि वह खान की उपस्थिति में शपथ नहीं लेंगे क्योंकि ''वह हिंदुओं के खिलाफ बोलते हैं।'' नवनिर्वाचित विधानसभा का पहला सत्र 17 जनवरी से 20 जनवरी तक चलेगा। 16 जनवरी को खान राजभवन में विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष की शपथ लेंगे। राजा सिंह ने कहा, ''नियमित अध्यक्ष नियुक्त हो जाने के बाद मैं उनके चैम्बर में जाऊंगा और शपथ लूंगा। लेकिन उन दिनों नहीं (जब अहमद खान अस्थायी अध्यक्ष होंगे।)'' एक वीडियो संदेश में गोशामहल के विधायक सिंह ने मांग की थी कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लमीन के वरिष्ठ नेता खान को अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त करने के फैसले की समीक्षा करें। विवादास्पद बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले भाजपा विधायक ने कहा था विवादास्पद बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले भाजपा विधायक ने कहा था कि वह खान की उपस्थिति में शपथ नहीं लेना चाहते हैं क्योंकि एआईएमआईएम हिंदुओं के खिलाफ बोलती है और उसके नेता वंदे मातरम नहीं गाते एवं भारत माता की जय नहीं बोलते।

इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके

जकार्ता। पूर्वी इंडोनेशिया में सोमवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। मौसम विज्ञान और भू-भौतिकी एजेंसी ने भूकंप की जानकारी दी। भूकंप के कारण सुनामी संबंधी कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। भू-भौतिकी एजेंसी के अधिकारी युसुफ खाईदार अली ने बताया कि यह भूकंप रविवार देर रात के बाद 12 बजकर 27 मिनट पर महसूस किया गया। भूकंप का केन्द्र उत्तरी मालुकू प्रांत के हालमहेरा से पश्चिमोत्तर में 146 किलोमीटर दूर था। भूकंप का केन्द्र समुद्र तल के 10 किलोमीटर नीचे रहा। श्री अली ने बताया कि भूकंप के कारण सुनामी संबंधी कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। मेसाली तीव्रता परिमाप पर भूकंप की तीव्रता तीन मापी गई। इंडोनेशिया में भूकंप का खतरा आम तौर पर बना रहता है क्योंकि यह ''पैसिफिक रिंग ऑफ फायर'' नामक भूकंप प्रभावित क्षेत्र में आता है।

पेशावर में मस्जिद के बाहर कार बम विस्फोट

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर में हुएकार बम विस्फोट में 3 लोग घायल हो गए और कई दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारी दोस्त मोहम्मद ने बताया कि शहर के काली बाड़ी इलाके में शनिवार को एक मस्जिद के बाहर यह विस्फोट हुआ। उन्होंने बताया कि घायलों में एक महिला शामिल है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मोहम्मद ने कहा कि अहले सुबह हुए विस्फोट के वक्त इलाके में लगभग सन्नाटा था। किसी भी संगठन ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पेशावर के आसपास कई कबायली क्षेत्र हैं जो दशकों से इस्लामी आतंकवादियों को पनाह देते हैं।

सोपोर में एक दिन की हड़ताल के बाद पटरी पर लौटी जिन्दगी

श्रीनगर। 1993 में मारे गये 53 सिविल लोगों की 26वीं पुण्यतीथि पर रविवार को एक दिन के बंद के बद सोमवार को सोपोर में जिन्दगी सामान्य दिखी। बंद के कारण रविवार को लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जहां दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे वहीं गाडियां भी नदारद रहीं। सोपोर में हालात की संवेदनशीलता को देखते हुये सुरक्षाबल तैनात रहे जोकि सोमवार को भी तैनात रखे गये।

मलयेशिया के इतिहास में पहला मामला: सुल्तान ने छोड़ दी राजगद्दी

कुआलालंपुर।

शाही पद छोड़ने वाले मलयेशिया के सुल्तान मोहम्मद मीडिया में खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। 2016 में जब उन्होंने राज गद्दी संभाली थी, उस वक्त वह देश के सहसे युवा सुल्तान बन गए थे। रविवार को गद्दी छोड़ कर सुल्तान पंचम ने अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में चल रही अपनी शादी की अटकलों को और तेज कर दिया। पिछले दो महीने से सुल्तान मेडिकल लीव पर थे और मीडिया में ऐसी खबरें थीं कि सुल्तान ने रूस की ब्यूटी क्वीन से गुपचुप शादी रचा ली है। ब्रिटिश और रूसी मीडिया में अफवाह है कि 49 साल के सुल्तान का दिल 25 साल की पूर्व रूसी ब्यूटी क्वीन पर आ गया। दोनों ने मॉस्कों में शादी भी कर ली और सोशल मीडिया पर इससे संबंधित कुछ तस्वीरें भी शेयर की गईं। हालांकि, न तो सुल्तान की तरफ से और न ही उनके राजमहल की तरफ से इस तरह की किसी खबर की पुष्टि की गई है। सुल्तान और रूस की ब्यूटी क्वीन की मुलाकात 18 महीने पहले यूरोप में हुई थी। पूर्व मिस मॉस्को ओकसना वोइवोदाना पेशे से मॉडल और फैशन डिजाइनर है। डेली मेल में छपी खबर के अनुसार सुल्तान से शादी के लिए ब्यूटी क्वीन ने इस्लाम धर्म भी अपना लिया। शादी से पूर्व तक ओकसना सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती थीं। मलयेशिया में सुल्तान का होता है बहुत सम्मान ब्रिटेन से 1957 में आजादी मिलने के बाद मुस्लिम बहुल वाले देश में यह किसी शाह का पद से इस्तीफा देने का पहला मामला है। मलयेशिया में सुल्तान का पद राज्यों के शाही घरानों के ही लोगों के पास रहता है। हर 5 साल के बाद सुल्तान का पद एक शाह से दूसरे शाह के पास पहुंचता है। मलयेशिया में यूं तो सरकार और सत्ता की ताकत प्रधानमंत्री के पास होती है, लेकिन सुल्तान का पद बहुत सम्मानजनक होता है। मलय मुस्लिम सुमदाय के बीच सुल्तान और राजघराने की काफी इज्जत है और उनकी आलोचना वर्जित मानी जाती है।

पेट्रोल पंपों पर मिलेगा फास्टटैग बारकोड, टोल प्लाजा पर लंबी लाइनों से मिलेगी राहत

नई दिल्ली ।

टोल प्लाजा पर लंबी लाइनों से मिलेगी निजात दिलाने के लिए सरकार फास्टटैग बारकोड उपलब्ध कराने जा रही है। देशभर के 800 पेट्रोल पंपों पर सोमवार से फास्टैग बारकोड उपलब्ध होगा। मार्च तक देश के सभी नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर फास्टटैग बारकोड अनिवार्य किया जाना है। अगले 6 महीने में देशभर के 25 हजार पेट्रोल पंपों पर ये बारकोड खरीदे जा सकेंगे. सोमवार को सड़क परिवहन मंत्रालय और ऑयल कंपनियों के बीच समझौता होगा। फास्टटैग बारकोड का उद्देश्य टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी-लंबी लाइनों को खत्म करना है। फास्टटैग एक तरह का बारकोड स्टीकर है, जो वाहन में लगाया जाता है. यह कोड पेटीएम या बैंक अकाउंट से लिंक होता है। बारकोड लगे वाहन जब भी टोल प्लाजा से गुजरेंगे तो उन्हें कैश नहीं देना पड़ेगा, बल्कि टोल गेट के एंट्री पॉइंट के करीब पहुंचते ही गेट पर लगे सेंसर फास्टैग बारकोड को स्कैन कर लेंगे और पैमेंट हो जाएगी। देशभर में सड़क परिवहन मंत्रालय और एनएचएआई के 479 टोल प्लाजा हैं। करीब 43 लाख वाहन हर रोज इन टोल प्लाजा से गुजरते हैं। इनमें करीब 425 टोल में फास्टैग लेन उपलब्ध हैं, जबकि बचे 54 टोल में मार्च तक यह सेवा शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है. इसके साथ ही दो एप भी लॉन्च किए जा रहे हैं, जो कि फास्टटैग को सुविधाजनक बनाने में मददगार होंगे।

संपादकीय

अयोध्या की राह

सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि मालिकाना विवाद मामले में सुनवाई के लिए एक नई तारीख मुकर्रर करके स्पष्ट कर दिया है कि अदालती फैसले राजनीति से नहीं प्रभावित हुआ करते। अब 10 जनवरी को तय होगा कि कौन सी अदालत इसकी सुनवाई करेगी और मामला किस रफ्तार से आगे बढ़ेगा? प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई और न्यायमूर्ति एस के कौल की पीठ ने कहा कि एक उपयुक्त पीठ सुनवाई की तारीख तय करने के लिए 10 जनवरी को आगे के आदेश देगी। अयोध्या विवाद खासी लंबी यात्रा तय कर चुका है। साल 1528 में मस्जिद निर्माण के साथ क्या स्थिति रही होगी, यह तो बहुत साफ नहीं, पर दस्तावेजों में यह तो दर्ज है ही कि1853 में इस स्थल के आसपास पहली बार दंगे हुए थे, जिसके बाद अंग्रेजों ने वहां बाड़ लगाकर दोनों पक्षों के लिए अलग-अलग व्यवस्था की थी। 1949 इस विवाद का दूसरा पड़ाव था, जब वहां अचानक भगवान राम की मूर्तियां मिलीं और मुकदमेबाजी के बाद इसे विवादित स्थल घोषित कर दिया गया। तीसरा महत्वपूर्ण और इतिहास की हलचल मचाने वाला बिंदु 1992 बना, जब 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद को ढहा दिया गया और तब से लेकर इस पर कानूनी विवाद और राजनीति साथ-साथ जारी है। अदालती विवाद ने 2010 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद नया रुख लिया, जब तीन जजों की पीठ ने विवादित जमीन को सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और राम लला के बीच समान रूप से बांटने का आदेश दिया, जो किसी पक्ष को मंजूर नहीं हुआ। जब आम चुनाव नजदीक हों, मंदिर-मस्जिद के बहाने धर्म राजनीति की धुरी बन चुका हो, तब सुप्रीम कोर्ट की पहल महत्वपूर्ण है। बीते एक साल में कई बार इस विवाद के बहाने सर्वोच्च अदालत की मंशा पर सवाल उठाए गए कि सरकार फैसले के जरिए आम चुनाव से पहले अपनी राजनीति गरमाना चाहती है। सत्ता पक्ष ने भी कांग्रेस से जुड़े वकीलों को निशाना बनाते हुए उसे अयोध्या विवाद के फैसले की राह का बड़ा रोड़ा साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यह राजनीति इसलिए भी तेज होनी थी कि 2014 में भाजपा सत्ता में आई ही इस वादे के साथ थी कि सत्ता मिली, तो राम मंदिर बनना तय है और अब जब सरकार के मौजूदा कार्यकाल को महज चंद महीने बचे हैं, कहानी जस की तस है। हालांकि संविधान में विश्वास और अदालती आदेश की प्रतीक्षा वाला स्टैंड भाजपा के लिए सुरक्षा कवच बना रहा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिन पहले फिर से साफ किया है। हालांकि विहिप और शिव सेना इस मामले में सरकार को जिस तरह पहले से कठघरे में खड़ा करते आए हैं, और अब संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी नाराजगी जता दी है, तो यह सब भाजपा की मुश्किलें बढ़ाने वाला है। गोया अयोध्या विवाद हर गले की ऐसी फांस है, जहां अदालत की ओर देखते हुए सब वैतरणी पार भी करना चाहते हैं, और दूसरे को पार उतरते देखना भी नहीं चाहते। इस मुद्दे ने न मुझे कोई और, न उसे कोई ठौर की तर्ज पर सबको उलझा रखा है। सुखद सिर्फ यही है कि अदालत का पक्ष बहुत स्पष्ट है। उसने हमेशा की तरह एक बार फिर बता दिया है कि राजनीति चाहे जिस राह चले, अदालत अपनी राह और गति खुद तय करती है। उस पर किसी दबाव का कोई असर नहीं होता। यही हमारे लोकतंत्र की ताकत है, यही हमारी न्याय प्रणाली का मूल मंत्र है।.

सांसदों का निलंबन

संसद लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। इसे लोकतंत्र का मंदिर भी कहा जाता है। यहां वाद-विवाद और संवाद के माध्यम से समस्याओं का निराकरण किया जाता है, लेकिन कुछ दशकों से यह बौद्धिक वाद-विवाद और संवाद की जगह हल्ला-गुल्ला और हंगामा का स्थल बनता जा रहा है। संसदीय मर्यादाओं की अवहेलना करने वाली यह दुष्प्रवृत्ति लोकतंत्र को क्षति पहुंचा रही है। पिछले दो दिनों में हंगामा करने वाले लोक सभा के 45 सांसदों के निलंबन से इस बात की पुष्टि हो रही है कि संसद की प्रतिष्ठा और मर्यादा कैसे तार-तार हो रही है। लोक सभा में राफेल विमान पर चर्चा के दौरान कुछ माननीयों ने कागज का विमान उड़ाया तो कुछेक हंगामे के बीच कागज की पर्चियां फाड़कर उछालते रहे। लोक सभा अध्यक्ष के अनुरोध और चेतावनी के बावजूद सांसदों का हंगामा जारी रहा और संसद की कार्यवाही बाधित होती रही। अंतत- विवश होकर लोक सभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही बाधित करने वाले सांसदों को निलंबित करना पड़ा। लोक सभा अध्यक्ष ने बीते गुरुवार को 21 सांसदों को चार दिनों के लिए निलंबित किया, जिनमें 7 एआईएडीएमके, 13 टीडीपी के और एक असंबद्ध सदस्य हैं। इससे ठीक एक दिन पहले उन्होंने एआईएडीएमके के 24 सांसदों को निलंबित किया था। संसद में हंगामा करके सदन की कार्यवाही को बाधित करने का इतिहास पुराना है। दोनों सदनों में अनेक बार शोरगुल के कारण असमंजस की स्थिति पैदा हुई है और पीठासीन अधिकारियों को विवश होकर सांसदों को निलंबित करना पड़ा। कुछ वर्ष पहले तबके लोक सभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी सांसदों के हंगामे से इतना आहत हो गए थे कि सदन के कार्यसंचालन की नियमावली को अप्रासंगिक कह दिया था। अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संसद में वाद-विवाद का स्तर गिरने पर चिंता प्रकट की थी। दरअसल, शोरगुल और हंगामा के कारण महत्वपूर्ण विधेयकों पर गंभीर चर्चा नहीं हो पाती और उसे इसी तरह पारित कर दिया जाता है। इन्हीं वजहों से सदन की मर्यादा को कायम रखने के लिए 1992 में संसद के केंद्रीय कक्ष में पीठासीन अधिकारियों, संसदीय कार्यमंत्रियों और नेताओं की बैठक भी हुई थी, जिसमें एक आचार संहिता बनाई गई थी। संसद की मर्यादा का संवर्धन करने के लिए संकल्प भी लिया गया, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं हो पाया। संसद में गतिरोध से करोड़ों रुपये बर्बाद होते हैं। सांसदों को समझना चाहिए कि संसद की मर्यादा और प्रतिष्ठा को बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी और कर्त्तव्य दोनों हैं।

कटाक्ष/ कबीरदास

रामविलास तुम भी

दोस्त, दोस्त ना रहा, प्यार, प्यार ना रहा, जिंदगी मुझे तेरा ऐतबार ना रहा! और जिंदगी से केसरिया भाइयों का ऐतबार यों न उठ जाए? सेकुलरवालों के बहकावे में आकर रामविलास तक ने एतबार तोड़ दिया। कह रहे हैं कि अदालत का जो भी फैसला हो, सब मानें। अयोध्या मामले में अध्यादेश की कोई जरूरत नहीं है; न अदालत के फैसले से पहले और न फैसले के बाद। हद तो यह है कि सीटों के बंटवारे में केसरिया भाइयों केएकदम झुक जाने और खास रामविलास बाबू को राज्य सभा में भेजने का वादा करने के बाद भी, बाबू साहेब ऐसी दिल तोड़ने वाली बातें कर रहे हैं। उस पर इसका स्वांग और कि वह तो पीएम जी की ही बात का समर्थन कर रहे हैं। या पीएम जी ने कहा नहीं है कि फिलहाल न अध्यादेश आएगा, ना विधेयक आएगा। बस अदालत के फैसले का इंतजार किया जाएगा। पर पीएम जी ने अदालत के फैसले के बाद, जो करने का कहा है, उसे बाबू साहेब बड़ी चालाकी से दबा गए और दिखा गए कि अब भी सेकुलरवालों से नैन-मटका करने की कला भूले नहीं हैं। बेशक, जब से पांच राज्यों में केसरिया भाइयों का सूपड़ा साफ हुआ है, साथ वाले भी हाथ छुड़ाने के लिए कसमसाने लगे हैं। बिहार के कुशवाहा तो बाकायदा हाथ छुड़ा भी चुके हैं, जबकि उत्तर प्रदेश के राजभर और पटेल, दरवाजे पर जा बैठे हैं। पर वाह रे जमाने, जिन रामविलास को बाकायदा संतुष्ट भी किया जा चुका था, फिर से रस्सा तुड़ाने के लिए जोर लगाने लगे। फिर बात अकेले रामविलास की थोड़े ही है। नीतीश की पार्टी वाले कौन से कम हैं? बिहार में केसरिया पार्टी वालों से बराबर की सीटों का वचन भी भरवा लिया और उसके बाद भी तीन तलाक के मामले में दुश्मनों के साथ जाकर खड़े हो गए। और ठाकरे पार्टी वाले? उन्हें भी रफाल में जेपीसी जांच चाहिए। केसरिया भाई नागपुर के सिवा भरोसा करें भी तो किस पर? देखी जमाने की यारी; बिछड़े सभी, बारी, बारी!

सबसे अलग क्यों हैं माइक ब्रेयरली

रामचंद्र गुहा

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज रोडनी हॉग इंग्लैंड के क्रिकेट कप्तान माइक ब्रेयरली के बारे में अक्सर कहा कहते थे- 'उनके पास लोगों की डिग्री' यानी जनता का प्यार है। दोनों के क्रिकेट से संन्यास लेने के काफी दिनों बाद हॉग ने माइक को एक रेडियो शो में बुलाया था। हॉग ने माइक से पूछा कि उन्होंने विकेट कीपिंग छोड़ क्यों दी? ब्रेयरली का जवाब था- 'मेरी कीपिंग अच्छी नहीं थी'। 'पर आपने बैटिंग तो जारी रखी' -हॉग की जवाबी टिप्पणी थी।

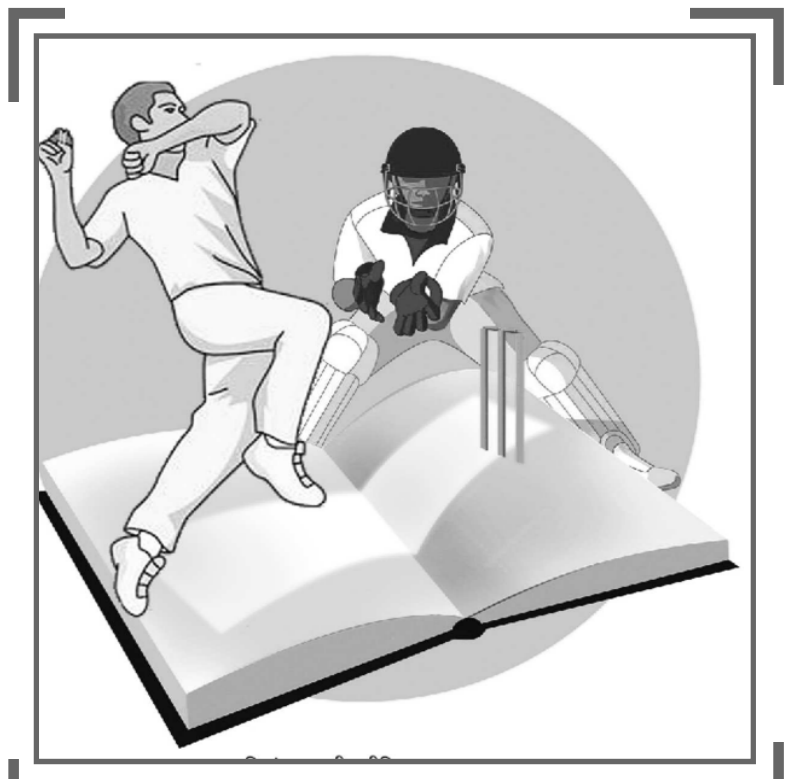

यह कहानी क्रिकेट की दुनिया के तमाम किस्सों को समेटे माइक ब्रेयरली की नई किताब का हिस्सा है, जिसमें जानने के लिए बहुत कुछ नया है। अपने युवा काल के क्रिकेट हीरो लेन हट्टन और डेनिस कॉम्पटन से शुरुआत करते हुए माइक ने अपने समकालीनों पर खासी बात की है। अलग-अलग अध्याय में क्रिकेट की दुनिया की बेईमानियों- कुटिलताओं, विकेट कीपर्स और क्रिकेट की बात है, तो नस्लभेद की भी। भारतीय बल्लेबाजों की भी काफी बातें हैं। ब्रेयरली बल्लेबाज भले साधारण रहे हों, पर कप्तान हमेशा सफल रहे। किताब प्रमाण है कि संन्यास के इतने दिनों बाद भी उन्होंने क्रिकेट के बारे में गंभीरता से सोचना नहीं छोड़ा है।

इन 49 लेखों में बहुत कुछ है। यहां सहानुभूति है, समझ है और ज्ञान के साथ अक्सर दिखने वाली वे ग्रंथियां भी हैं, जिनकी अपनी-अपनी व्याख्या हो सकती है। एक अध्याय डेनिस लिली के बारे में है द बेस्ट बॉलर आई प्लेड अगेंस्ट, जिसकी अंतिम पंक्तियां हैं- 'उन्हें जानना और उससे भी आगे उनके खिलाफ खराब ही सही, बैटिंग का मौका मिलना सौभाग्य की बात है।' ब्रेयरली अपने समय के वेस्ट इंडीज के महान तेज गेंदबाजों को भी सम्मान और आत्मीयता से याद करते हैं। किताब पढ़ते हुए बार-बार लगा कि वैसे तेज गेंदबाज, जो कभी विकेट के साथ-साथ शरीर के लिए भी चुनौती हुआ करते थे, अब तो खेल से ही गायब हो गए हैं। आज ऐसा कोई खिलाड़ी नहीं दिखता, जिसकी गेंद पर लिली, थॉमसन, होल्डिंग, राबर्ट्स, वकार या शोएब की याद आए।

ब्रेयरली अपने बाद के क्रिकेटरों को लेकर भी उत्साहित हैं। श्रीलंका के सर्वकालिक महान बल्लेबाज संगकारा की स्टाइल और तकनीक पर उनकी टिप्पणी ध्यान देने योग्य है- 'संगकारा ऐसी चट्टान थे, जो अपनी टीम की सफलता और कई बार तो उसके अस्तित्व के लिए भी रक्षक बनकर खड़े हो जाते थे। अगर वह मोटरसाइकिल होते, तो सिर्फ और सिर्फ 'हर्ले डेविडसन' होते, जो बनावट से लेकर रफ्तार, स्थिरता और स्थायित्व, हर मामले में सबसे अलग है।'

ब्रेयरली का भारत से भी करीबी रिश्ता रहा। उन्होंने चर्चित आर्किटेक्ट और डिजाइनर माना साराभाई से शादी की, जिससे उनकी पहली मुलाकात 1976-77 में अहमदाबाद के एमसीसी टूर में हुई थी। क्रिकेट वाले अध्याय में वह तेंदुलकर और कोहली सरीखे कई भारतीय बल्लेबाजों पर अलग-अलग लिखते हैं, तो बिशन सिंह बेदी की गेंदबाजी की बारीकियां गिनाते हुए मैदान के बाहर के उनके अद्भुत व्यक्तित्व को भी याद करते हैं।

किताब पढ़ते हुए मैं उत्साहित तो था ही, बहुत कुछ सीख भी रहा था। हालांकि इसमें दो छोटी-छोटी चूक भी दिखीं। एक तो क्रिकेट की ही बात है, जब वह लिखते हैं कि 'सईद किरमानी महान भारतीय स्पिनरों को लपकने में 'उत्कृष्ट' तो थे, लेकिन पीछे खड़े होने में शायद ही वक्त बिताया हो।' जबकि सच यह है कि कपिल देव सरीखे खिलाड़ियों का कैच लेते वक्त किरमानी ने यह भी साबित किया कि नई गेंद के साथ कीपिंग में भी भारतीय किसी से कम नहीं। दूसरी बात समाजशास्त्रीय नजरिए की है, जब वह मुथैया मुरलीधरन की पद्धति और उपलब्धियों की बात करते हैं, लेकिन यह चर्चा करना भूल जाते हैं कि मुथैया श्रीलंका में तमिल अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं। हालांकि यह अध्याय अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में, मुरली की निर्मिति के पीछे भी कहीं न कहीं श्रीलंका के गृह-युद्ध से उपजे हालात थे, जिन्हें कतई नकारा नहीं जा सकता।

किताब में नस्लभेद पर भी कई अध्याय हैं, जो क्रिकेटर ब्रेयरली के नए चेहरे से परिचित कराते हैं। ब्रेयरली ने युवावस्था में ही एमसीसी टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था और वहीं पहली बार नस्लभेदी शासन के दुर्व्यवहार से भी उनका सामना हुआ। कई साल बाद वह इंग्लैंड के पूर्व कप्तान व बिशप बन चुके डेविड शेफर्ड के साथ जुड़ गए, जो एमसीसी के अगले दक्षिण अफ्रीकी दौरे के खिलाफ थे और जिन्होंने नस्लभेद विरोधी अभियान की कमान संभाल रखी थी। डेविड शेफर्ड ब्रेयरली के नायकों में एक हैं, जिनकी दयालुता व विचारशीलता की वह खूब तारीफ करते हैं।

ब्रेयरली और शेफर्ड में कई समानताएं हैं। दोनों कपड़े के एक ही थान से काटे गए दो टुकड़े जैसे लगते हैं- शेफर्ड की तरह वह भी क्रिकेट की दुनिया के बाहर एक खास तरह की नैतिकता और न्याय के बारे में गहराई से सोचते रहे। अगर आज के समस्त जीवित क्रिकेटरों के जीवन और व्यक्तित्व में झांका जाए तो माइक शायद सबसे बुद्धिमान होंगे। अंत में मैं किताब के उस अंश की बात करना चाहूंगा, जो उनके करियर के अलग ही पक्ष को दर्शाता है। प्रशंसकों पर ब्रेयरली लिखते हैं- 'रोजर को क्रॉस कोर्ट फोरहैंड खेलते देख हम मिनी फेडरर बन जाते हैं या शेन वॉर्न की परफेक्ट लेग-ब्रेक देख मिनी वार्न, तो ग्रेग का बैकफुट स्ट्रोक देख खुद को मिनी चैपल समझने लगते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि हम किसी भ्रम में होते हैं। हम जानते हैं कि हम न तो फेडरर हैं, न ही चैपल। लेकिन हम उस मनःस्थिति में पहुंच जाते हैं, जहां की कल्पनाशीलता हमें 'वह' बना देती है।'

विव रिचर्ड या शेन वॉर्न शायद ऐसा कभी न लिख पाते। इसलिए नहीं कि उनके पास शब्द नहीं हैं, बल्कि इसलिए कि उन्होंने जो किया वे उसी में उत्कृष्ट थे। ब्रेयरली जानते हैं कि मैदान पर दस्ताने और बैट के साथ असफल होना क्या होता है। असफलता का यह अनुभव ही है, जो खेल से बाहर की दुनिया में उनकी बुद्धि और अनुभव की संभावनाओं के साथ चीजों को देखता है और एक उत्कृष्ट कोटि की ऐसी किताब की रचना करवा देता है, जो हर समझदार इंसान को उत्साहित करती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अर्थमंत्र

सुहावने होते हैं दूर के रिटर्न

आलोक पुराणिक

वर्ष 2018 बीत गया, पर कई निवेशकों के लिए यह साल अच्छा न गुजरा। छोटे निवेशकों को तो सीधे शेयरों में निवेश से बचना चाहिए। शेयरों में निवेश के लिए बहुत समय, ऊर्जा और कौशल की जरूरत होती है। छोटे निवेशक से यह उम्मीद आम तौर पर नहीं होती कि वह यह सब लेकर निवेश करेगा। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे म्यूचुअल फंडों के जरिये ही निवेश करें। म्यूचुअल फंड वे विशेषज्ञ संस्थान हैं, जो विशेषज्ञों के जरिये पूंजी बाजार में निवेश करते हैं। म्यूचुअल फंड के जरिये निवेश करने से निवेशकों का जोखिम खत्म नहीं हो जाता। हां, एक हद तक वह कम हो जाता है। इसलिए म्यूचुअल फंड निवेश योजनाओं के इश्तिहारों में बराबर कहा जाता है कि म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन है।

म्यूचुअल फंड निवेश योजनाओं का विश्लेषण करें तो साफ होता है कि कई योजनाओं में छोटी अवधि में घाटा हुआ है या बहुत असंतोषजनक रिटर्न आये हैं। पर अगर निवेशक ने धैर्य दिखाया है तो उसे दीर्घ अवधि में संतोषजनक रिटर्न मिले हैं। आमतौर पर पांच सालों से कम की अवधि के लिए निवेश को दीर्घ अवधि का निवेश नहीं माना जा सकता।

सेंसेक्स आधारित निवेश योजना के विश्लेषण से इस बात को समझा जा सकता है। सेंसेक्स मुंबई शेयर बाजार के शेयरों का सूचकांक है, सेंसिटिव इंडेक्स। इसमें हर उद्योग की शीर्ष कंपनियों को ही जगह मिलती है। सेंसेक्स कंपनियों में निवेश यानी देश के महत्वपूर्ण उद्योगों की महत्वपूर्ण कंपनियों में निवेश। सेंसेक्स आधारित एक निवेश म्यूचुअल फंड है— एचडीएफसी

इंडेक्स प्लान-सेंसेक्स फंड। 2 जनवरी, 2019 के आंकड़ों के हिसाब से इसके रिटर्न देखें तो साफ होता है कि एचडीएफसी सेंसेक्स फंड ने तीन महीने की अवधि में नकारात्मक रिटर्न दिये हैं यानी घाटा ही दिया है, करीब 1 दशमलव 67 प्रतिशत का। इस फंड के रिटर्न पूरे साल के हिसाब से देखें, 2 जनवरी 2019 के आंकड़ों के हिसाब से तो भी साफ होता है कि इसका रिटर्न सिर्फ 6.93 प्रतिशत रहा। इतना रिटर्न तो बैंक के डिपॉजिट में भी मिल जाता है जो लगभग हर किस्म के जोखिम से मुक्त होता है। अगर कोई निवेशक तीन सालों के लिए सेंसेक्स फंड में निवेशित रहा है तो हर साल के हिसाब से उसे 12.15 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। यह रिटर्न ठीकठाक माना जा सकता है। निवेश जगत में बहुत ज्यादा रिटर्न बिना बहुत ज्यादा के जोखिम के नहीं आते। सेंसेक्स कंपनियों में निवेश का मतलब कि और निवेशों के मुकाबले में जोखिम कम है, क्योंकि सेंसेक्स में शामिल कंपनियां देश के महत्वपूर्ण उद्योगों की महत्वपूर्ण कंपनियां होती हैं।

तीन साल से भी ज्यादा की अवधि यानी पांच साल की अवधि के लिए अगर निवेशक सेंसेक्स फंड में निवेशित रहा है तो उसने 12.44 प्रतिशत का रिटर्न हर साल कमाया है। कोई निवेशक अगर सेंसेक्स फंड में दस सालों के लिए निवेशित रहा है तो उसका रिटर्न हर साल का 13.94 प्रतिशत रहा है। करीब 14 प्रतिशत का सालाना रिटर्न बहुत शानदार रिटर्न है। 14 प्रतिशत सालाना के रिटर्न किसी भी लिहाज से श्रेष्ठ रिटर्न कहे जायेंगे खास तौर पर तब जब इसमें जोखिम न्यूनतम है। कुल मिलाकर म्यूचुअल फंड में दूर के रिटर्न ठीकठाक आने की संभावना रहती है। ऐसा भी नहीं है कि हर म्यूचुअल फंड स्कीम में दूर के रिटर्न बेहतरीन हो जाते हैं। यहां बात सेंसेक्स कंपनियों की हो रही है। सेंसेक्स कंपनियां अपने धंधे की श्रेष्ठ कंपनियां होती हैं। प्रख्यात निवेशक वारेन बूफे ने कहा कि समय अच्छी कंपनियों का मित्र होता है और बुरी कंपनियों का दुश्मन होता है। कमजोर कंपनियों को समय खत्म कर देता है। अच्छी कंपनियों को समय और मजबूत बनाता है। मोटे तौर पर सेंसेक्स में वही कंपनियां बनी रहेंगी, जिनकी हैसियत अपने बाजारों अपने उद्योगों में बहुत मजबूत है। कमजोर उद्योग की कमजोर कंपनी लगातार सेंसेक्स में बनी ही नहीं रह सकती।

फिलहाल सेंसेक्स की शीर्ष पांच कंपनियां इस प्रकार हैं—एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लिमिटेड, इनफोसिस और आईटीसी। ये पांचों कंपनियां अपने अपने कारोबारों की शीर्ष कंपनियां हैं। रिलायंस और आईटीसी तो कई कारोबारों में हैं। इसलिए निवेश विकल्पों की तलाश करने वाले निवेशकों को अपने निवेश का एक हिस्सा सेंसेक्स फंड में भी लगाना चाहिए और दीर्घकाल तक इंतजार करना चाहिए। यही बात आंकड़ों से भी साफ होती है। धैर्य के परिणाम सार्थक और सुंदर आते हैं, दूर के रिटर्न सुहावने होते हैं, यह बात सेंसेक्स फंड के रिटर्न से साफ होती है। म्यूचुअल फंड निवेश में बाजार जोखिम रहते हैं। इसलिए निवेशक निवेश करने से पहले अपना अध्ययन करें या किसी वित्तीय सलाहकार की सलाह लें।

आरक्षण में आरक्षण

योगी खेल पाएंगे ये दांव!

कुमार समीर

लोकसभा चुनाव में छह महीने से भी कम समय बचे हैं, ऐसे में छोटे-बड़े हर दल ने अपने-अपने तरीके से समीकरण बिठाना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश की बात करें तो यहां भी चुनावी समझौते धड़ल्ले से हो रहे हैं, वहीं विरोधी उसकी काट ढूंढने में पीछे नहीं रह रहे हैं। बाजी मारने के लिए असामान्य समझौते भी हो रहे हैं। फूलपुर व गोरखपुर लोक सभा उपचुनाव में भाजपा की हार सबके सामने है। प्रदेश की दोनों क्षेत्रीय पार्टियां सपा और बसपा इस गठजोड़ से उत्साहित है और लोक सभा चुनाव में भी यह प्रयोग दोहराने के लिए तैयार है। वहीं प्रदेश भाजपा इसके वोट बैंक में सेंध लगाने की फिराक में है ताकि यह गठबंधन लोक सभा उपचुनाव वाली स्थिति नहीं दोहरा पाए। बताते हैं कि सपा-बसपा गठबंधन की काट के लिए योगी सरकार ने वह तरीका ढूंढा है, जिसके सहारे गठबंधन के असर को कम किया जा सके। इसके लिए योगी सरकार सूबे में पिछड़ों को मिलने वाले 27 फीसद आरक्षण के भीतर आरक्षण का फॉर्मूला तय करने की तैयारी में है और ऐसा कर लेने से आर्थिक रूप से संपन्न व राजनीतिक रसूख वाली ओबीसी जातियां यादव और कुर्मी सबसे अधिक नुकसान में रहेंगी क्योंकि राघवेंद्र कमिटी ने जो रिपोर्ट सौंपी है, उसके मुताबिक ओबीसी जातियों के मिलने वाले 27 फीसद आरक्षण की जगह 7 फीसद संपन्न पिछड़े को मिलेगा, बाकी 20 फीसद अति पिछड़ी जातियों के कोटे में जाएगा। ओबीसी के भीतर उप-जातियों के वर्गीकरण के लिए चार सदस्यों वाली सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट के मुताबिक संपन्न पिछड़ी जातियों में यादव, अहीर, जाट, कुर्मी, सोनार और चौरसिया सरीखी नौ जातियां शामिल हैं। इन्हें 7 फीसद आरक्षण का प्रस्ताव किया गया है।

अति पिछड़ा वर्ग में गिरी, गुर्जर, गोंसाई, लोध, कुशवाहा, कुम्हार, माली, लोहार समेत 65 जातियों को 11 प्रतिशत और मल्लाह, केवट, निषाद, राई, गद्दी, घोसी, राजभर जैसी 95 जातियों को 9 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की गई है। हालांकि, इस रिपोर्ट पर आखिरी फैसला योगी सरकार को लेना है। अगर इसे लागू कर दिया गया तो राजनीतिक रसूखवाली जातियां यादव और कुर्मी को केवल 7 फीसदी आरक्षण से ही संतोष करना पड़ेगा। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि यादव-कुर्मी आर्थिक और राजनीतिक रसूखवाले हैं और आरक्षण का लाभ अभी तक सबसे ज्यादा यही लोग उठाते रहे हैं। बता दें कि यादव समाजवादी पार्टी का कोर वोटर है जबकि कुर्मी बीजेपी समर्थित अपना दल का कोर वोटर है। यही वजह है कि इन दोनों पार्टियों ने पहले जाति आधारित जनगणना कराएं फिर करें उप वर्गीकरण की बात उठाकर अपना विरोध कर दिया है वहीं भाजपा सरकार की एक अन्य सहयोगी दल सोहेलदेव पार्टी के प्रमुख व पिछड़ा कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर उपवर्गीकरण के पक्ष में हैं। यानी रिपोर्ट पास कराने और रोकने दोनों को लेकर सरकार के समक्ष दबाव है लेकिन देखने वाली बात है कि इस दोनों तरह के दबाव के बीच सरकार कैसे बेहतर रास्ता अख्तियार कर पाती है? रिपोर्ट लागू कराना आसान नहीं है क्योंकि इससे पहले भी इस तरह के प्रयास किए गए थे लेकिन सफलता हाथ नहीं लग पाई थी। 28 अक्टूबर 2000 में मुख्यमंत्री बने राजनाथ सिंह ने पहली बार कोटे में कोटा का प्रयास किया था। राजनाथ ने उत्तर प्रदेश में हुकुम सिंह के नेतृत्व में सामाजिक न्याय समिति बनाकर आरक्षण का बंटवारा किया ताकि आरक्षण का सबसे अधिक फायदा लेने वाली यादव, कुर्मी और जाट बिरादरी के लोगों की जगह उन जातियों को आरक्षण का फायदा मिल सके, जो सामाजिक और आर्थिक रूप से उक्त जातियों से काफी कमजोर थीं। राजनाथ सिंह का प्रयास कानूनी जामा पहन पाता इससे पहले ही उनकी सरकार के एक मंत्री अशोक यादव हाईकोर्ट से स्टे ले आए। इसी प्रकार मुलायम सिंह यादव ने अपने शासनकाल के दौरान पिछड़ा वर्ग के तहत आरक्षण प्राप्त कर रही कुछ जातियों को अनुसूचित जाति/जनजाति की श्रेणी में डाल दिया था। मुलायम की इसके पीछे की मंशा यही थी कि पिछड़ा वर्ग में जातियों की संख्या जितनी कम रहेगी, उतना फायदा उनके वोट बैंक समझे जाने वाले यादव, कुर्मी और जाट को मिलेगा। मुलायम के इस कदम का एससी/एसटी आरक्षण एक्ट के तहत फायदा लेने वाली जातियों ने काफी विरोध किया था। देश के 11 प्रदेशों में अति पिछड़ों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्राप्त है। बिहार, हरियाणा, उड़ीसा, महाराष्ट्र, आंध्र, तेलंगाना, तमिलनाडु, पांडुचेरी, पश्चिम बंगाल, केरल और जम्मू-कश्मीर में यह व्यवस्था लागू है।

संक्षिप्त समाचार

जो कहते हैं स्मिथ-वॉर्नर के बिना जीता भारत, उन्हें गावस्कर ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली। भारत की आस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक जीत की पूर्व क्रिकेटरों ने जमकर तारीफ की और अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उन आलोचकों को भी करारा जवाब दिया जिन्होंने कमजोर आस्ट्रेलियाई टीम की बात कहकर इसे कम आंकने की कोशिश की। भारत ने चार मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीती जो उसकी आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर टेस्ट श्रृंखला में पहली जीत है। आस्ट्रेलिया ने चार मैचों की श्रृंखला में लचर प्रदर्शन किया और अगर मौसम खराब नहीं होता तो भारत का जीत का अंतर इससे बेहतर होता। कहा जा रहा है कि गेंद से छेड़छाड़ के कारण प्रतिबंध झेल रहे स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर की अनुपस्थिति के कारण भारत को यह जीत मिली लेकिन गावस्कर ने इसे मानने से इन्कार कर दिया। गावस्कर ने मैच के बाद कहा, ''आस्ट्रेलियाई टीम अगर डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ के बिना खेली तो यह भारत की गलती नहीं है। आस्ट्रेलिया उन पर कम अवधि का प्रतिबंध लगा सकता था लेकिन निश्चित तौर यह माना गया कि एक साल का प्रतिबंध आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए अच्छा साबित होगा क्योंकि वे एक उदाहरण पेश करना चाहते थे।'' उन्होंने कहा, ''भारत के सामने जो टीम उतारी गई वह उससे खेला और यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।'' गावस्कर के अनुसार कोहली की टीम और पूर्व की टीमों में मुख्य अंतर फिटनेस का है। उन्होंने कहा, ''हम भी जीत के लिए खेले थे लेकिन फिटनेस के मामले में यह टीम भिन्न स्तर पर है और कप्तान इसमें उदाहरण पेश करता है। हमारे समय में हम निजी तौर पर अपनी फिटनेस पर ध्यान देते थे। ''

आईसीसी ने दिया दक्षिण अफ्रीका टीम को झटका, कप्तान डुप्लेसिस को किया निलंबित

के पटाउन। पाकिस्तान के खिलाफ दक्षिण अफ्रीकी टीम को धीमी ओवर गति का दोषी पाए जाने के बाद उसके कप्तान फाफ डु प्लेसिस को एक टेस्ट मैच के लिए निलंबित कर दिया गया जिससे वह सीरीज का तीसरा और अंतिम टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। हालांकि दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को नौ विकेट से हराकर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। आईसीसी ने मैच के बाद इस सजा की घोषणा की। डु प्लेसिस और उनके खिलाडियों पर भी उनकी मैच फीस का कुछ प्रतिशत जुर्माना लगा है। धीमी ओवर गति के कारण पहले तीन दिनों में आधा आधा घंटा जोड़ा गया था। आईसीसी के नियमों के अनुसार निर्धारित समय में गेंदबाजी में विफल रहने के लिये प्रत्येक ओवर के हिसाब से खिलाडियों को उनकी मैच फीस का दस प्रतिशत जुर्माना देना होता है। डु प्लेसिस पिछले साल 17 जनवरी को सेंचुरियन में भारत के खिलाफ मैच में भी धीमी ओवर गति के दोषी पाए गए थे जिससे 12 महीने के समय में यह उनका दूसरा अपराध है।

कोहली से अधिक टेस्ट क्रिकेट का जुनून किसी कप्तान में नहीं : शास्त्री

सिडनी । आस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी के घर में खेली गई टेस्ट सीरीज में ऐतिहासिक जीत हासिल करने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के कोच रवि शास्त्री ने कप्तान विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा कि क्रिकेट के इस प्रारूप को लेकर उनसे अधिक जुनून दुनिया की किसी दूसरी टीम के कप्तान में नहीं है। इसके अलावा, शास्त्री ने इस ऐतिहासिक जीत को आस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक भारतीय टीम की कमान संभालने वाले अन्य कप्तानों के साथ साझा करने से साफ इन्कार कर दिया। कोहली की प्रशंसा करते हुए शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि जिस जुनून के साथ कोहली टेस्ट क्रिकेट खेलते हैं, उसी जुनून के साथ कोई और खिलाड़ी खेलता है। मैंने ऐसा जुनून टेस्ट क्रिकेट के लिए किसी अन्य टीम के कप्तान में नहीं देखा। वह काफी भावात्मक हैं और यहीं चीज उन्हें दूसरों से अलग करती है।। पूर्व कप्तान लाला अमरनाथ से लेकर महेंद्र सिंह धोनी तक कई खिलाड़ियों ने 71 साल के दौरान आस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम की कमान संभाली। ऐसे में इस ऐतिहासिक जीत को उन कप्तानों के साथ साझा करने के बारे में पूछे जाने पर शास्त्री ने कहा, बीता समय इतिहास है और भविष्य एक रहस्य है। हमने 71 साल बाद जीत हासिल की है और मैं वर्तमान में रहना पसंद करूंगा। मैं अपने कप्तान को भारतीय टीम का कप्तान होने और आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार टेस्ट सीरीज में जीत दिलाने के लिए सलाम करता हूं।

भारत ने हमें दबाव में ला दिया, वह जीत के हकदार थे: पेन

सिडनी। आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने सोमवार को स्वीकार किया कि भारत का मौजूदा गेंदबाजी आकमण दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आक्रमण है जिसने उनके बल्लेबाजों को भारी दबाव में ला दिया जिससे मेहमान टीम आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली टेस्ट सीरीज अपने नाम करने में सफल रही। एससीजी पर चौथा और अंतिम टेस्ट मैच ड्रा रहा जिससे भारतीय टीम ने श्रृंखला 2-1 से जीत ली। इसके बाद पेन ने कहा, ''यह भारतीय आक्रमण सचमुच काफी अच्छा था, मुझे नहीं लगता कि आस्ट्रेलिया में हमने उन्हें इसका श्रेय दिया कि वे कितने निरंतर रहे हैं। तीन तेज गेंदबाजों ने काफी तेज रफ्तार से गेंदबाजी की, वे दबाव बनाने में निरंतर रहे। '' उन्होंने कहा, ''इसलिए उनके गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ बल्लेबाजी करना काफी मुश्किल था। मार्कस (हैरिस) और ट्रेविस (हेड) का दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ रन बनाना सचमुच काफी सकारात्मक था। '' भारत ने एडीलेड में पहले और मेलबर्न में तीसरे टेस्ट में जीत हासिल की जबकि आस्ट्रेलियाई टीम पर्थ में दूसरे मैच में जीती थी और चौथा टेस्ट ड्रा रहा। पेन ने कहा कि एडिलेड टेस्ट मैच उनकी टीम के पक्ष में जा सकता था लेकिन भारत ने अहम क्षणों में जीत के बाद सीरीज अपने नाम कर ली। उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से मुझे लगता है कि हमने एडीलेड टेस्ट हाथ से गंवा दिया।

क्रिकेट टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया में भारत ने रचा इतिहास, 70 साल में पहली बार जीती टेस्ट सीरीज

सिडनी।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच जारी चौथे और आखिरी टेस्ट मैच के पांचवें दिन सोमवार का खेल बारिश के कारण धुल गया और अधिकारियों ने इसे रद्द करने की घोषणा की। ऐसे में भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की है। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 70 साल बाद नया इतिहास रचा है। भारतीय टीम ने 70 साल बाद आस्ट्रेलिया में उसके खिलाफ सीरीज में जीत हासिल की है। विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाले भारत के पहले कप्तान बने। टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच सोमवार को सिडनी टेस्ट के पांचवें व आखिरी दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ गया। पूरे दिन में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। अंपायरों ने दिन का खेल रद्द किया और इसके साथ ही टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया। विराट कोहली के नेतृत्व वाली टीम इंडिया ने चार मैचों की टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम की। सिडनी टेस्ट में 193 रन बनाने वाले चेतेश्वर पुजारा मैन ऑफ द मैच रहे, जबकि मैन ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी उन्हीं को मिला। पुजारा ने चार टेस्ट मैचों की सीरीज में कुल 521 रन बनाए। भारत ने अपनी पहली पारी में चेतेश्वर पुजारा और ऋषभ पंत के शतकों की मदद से 7 विकेट पर 622 रन बनाकर घोषित कर दी। इसके बाद कुलदीप यादव के पांच विकेटों की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी पहली पारी में 300 रनों पर समेट दिया। चेतेश्वर पुजारा को इस मैच के लिए मैन ऑफ द मैच और सीरीज में उनके उम्दा प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया। भारत ने 322 रनों की बढ़त के साथ ऑस्ट्रेलिया को फॉलोऑन दिया। लेकिन मौसम की आंख-मिचौली ने ऑस्ट्रेलिया को थोड़ी राहत दी। भारत का यह वहां 12वां दौरा था। भारत ने विदेशी दौरों पर अब सिर्फ साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है।

इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉल स्टार खिलाड़ी वायने रूनी गाली-गलौच करने के आरोप में गिरफ्तार

वाशिंगटन।

इंग्लैंड और मैनचेस्टर यूनाइटेड़ के पूर्व स्टार फुटबाल खिलाड़ी वायने रूनी को पिछले महीने शराब पीकर नशे में आम लोगों के बीच गाली-गलौच करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मीडिया में छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने इसके लिए 25 डालर का जुर्माना भी दिया। वाशिंगटन एबीसी 7 न्यूज और द एथलेटिक के हाथ अदालत के जो कागजात लगे है उसके मुताबिक रूनी को वर्जीनिया के लौउडान काउंटी में 16 दिसंबर को नशे में बदजुबानी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें हालांकि जुर्माना और अदालती खर्चों के भुगतान करने के बाद शुक्रवार को रिहा कर दिया गया।

रूनी के फुटबॉल क्लब डीसी यूनाइटेड ने कहा, 'हमें उन खबरों के बारे में पता है जिसमें दिसंबर में वायने रूनी की गिरफ्तारी की बात कही गई है। हमें इसमें मीडिया की दिलचस्पी के बारे में भी पता है लेकिन हम मानते है कि यह रूनी का निजी मामला है और डीसी यूनाइटेड अंतरिक स्तर पर इससे निपटेगा।'

रूनी को इंग्लैंड में भी नशे में वाहन चलाने के आरोप में सितंबर 2017 में गिरफ्तार किया गया था जिसके बाद उन पर दो साल तक वाहन चलाने की सजा दी गई थी। रूनी को इंग्लैंड में भी नशे में वाहन चलाने के आरोप में सितंबर 2017 में गिरफ्तार किया गया था जिसके बाद उन पर दो साल तक वाहन नहीं चलाने की सजा दी गई थी।

कोलंबो में चला श्रीलंकाई स्पिनर मलिंडा का जादू, झटके सभी 10 विकेट

जालन्धर ।

श्रीलंका के स्पिनर मलिंडा पुष्पकुमारा ने कोलंबो के मैदान में इतिहास रचते हुए एक पारी में सभी 10 विकेट झटकने का कारनामा कर दिखाया है। 31 साल के बाएं हाथ के स्पिनर मलिंडा ने सारासेंस स्पोर्ट्स क्लब के खिलाफ महज 37 रन देकर 10 विकेट झटकने का कारनामा कर दिखाया। प्रथम श्रेणी क्रिकेट की अगर बात की जाए तो इससे पहले पाकिस्तान के जुल्फिकार बब्बर ने 2009 में यह रिकॉर्ड बनाया था। मुलतान के लिए खेलते जुल्फिकार ने तब इस्लामाबाद के खिलाफ 146 रन देकर 10 विकेट झटके थे। पहली पारी में 10 विकेट लेने वाले मलिंडा ने दूसरी पारी में भी कहर मचाए रखा। उन्होंने दूसरी पारी में भी छह अहम विकेट झटके। उनका मैच में प्रर्दशन 16/110 रहा। मलिंडा इसके साथ ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 700 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए। मलिंडा ने इसके साथ ही सबसे कम रन देकर 10 विकेट लेने वाली सूची में दूसरे नंबर पर कब्जा जमाया। उनसे पहले पाकिस्तान के नमीम अख्तर रावलपिंडी के लिए खेलते हुए साल 1995 में मात्र 28 रन देकर पेशावर के खिलाफ सभी 10 विकेट झटक चुके हैं।

सीरीज जीतने के बाद भावुक हुए विराट कोहली

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम ने नए साल की शुरुआत ऐतिहासिक जीत के साथ की है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई चार टेस्ट मैचों की सीरीज को भारत ने 2-1 से अपने नाम कर नया इतिहास रचा है। भारतीय टीम ने 71 साल बाद आस्ट्रेलिया को उसी के घर में खेली गई टेस्ट सीरीज में पहली बार हराकर अपने प्रशंसकों को नए साल पर ऐतिहासिक जीत का तोहफा दिया है। बारिश की दखल के कारण सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर दोनों टीमों के बीच खेला गया चौथा और आखिरी टेस्ट मैच ड्रॉ हो गया और भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई चार टेस्ट मैचों की सीरीज को 2-1 से अपने नाम कर पहली बार मेजबान टीम को उसी के घर में शिकस्त देकर जीत का डंका बजाया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली के साथ उनकी वाइफ और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा भी मैदान पर नजर आईं। टीम इंडिया की जीत के जश्न के दौरान कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा भी प्रेजेंटेशन सेरेमनी के दौरान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में पहुंच गईं। विराट और अनुष्का ने एक दूसरे एक साथ तस्वीरें भी खिंचवाई। सीरीज जीतने के बाद विराट भावुक हो गए और मैदान पर वाइफ अनुष्का शर्मा को गले लगा लिया। सीरीज जीतने के बाद विराट कोहली ने कहा- सबसे पहले कहना चाहता हूं कि इस टीम का हिस्सा बनने पर सबसे ज्यादा गर्व है। हमारी टीम में बदलाव की प्रक्रिया इसी मैदान से शुरू हुई। मैंने कप्तानी संभाली और चार साल के बाद यहां जीत दर्ज की। इस टीम का नेतृत्व करने पर सिर्फ एक ही शब्द कहूंगा- गर्व। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि इस टीम का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। हमारी टीम के लड़कों ने कप्तान का काम आसान किया। कोहली ने साथ ही कहा कि यह उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है और स्वीकार किया कि वह इस सीरीज जीत से काफी भावुक हैं। कोहली ने कहा, %अब तक यह मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह सभी उपलब्धियों में सबसे ऊपर है। जब हमने 2011 विश्व कप जीता तब मैं टीम का सबसे युवा खिलाड़ी था। अपने टीम साथियों को भावुक देखा, लेकिन तब मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ। मैं ऑस्ट्रेलिया तीन बार आया, यहां की जीत का मतलब कुछ अलग है। सीरीज जीत से हमे अलग पहचान मिली है। हमने जो उपलब्धि हासिल की है, उस पर मुझे गर्व है। कप्तान कोहली ने चेतेश्वर पुजारा और युवा मयंक अग्रवाल की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, हमने टीम के रूप में अपनी बल्लेबाजी के बारे में बात की।

थाईलैंड के खिलाफ जीत मेरे करियर का सर्वश्रेष्ठ मैच : छेत्री

नई दिल्ली।

भारतीय फुटबाल कप्तान सुनील छेत्री ने सोमवार को कहा कि टीम की एएफसी एशिया कप में पांच से ज्यादा दशक में मिली जीत उनके शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का सर्वश्रेष्ठ मैच था जिसमें उन्होंने सुपरस्टार लियोनल मेस्सी को पछाड़ दिया था। भारत ने रविवार को ग्रुप के शुरूआती मैच में थाईलैंड को 4-1 से पस्त किया जिसमें छेत्री ने दो गोल दागे। टीम ने 1964 के बाद एशिया कप में पहली जीत दर्ज की। छेत्री ने अबुधाबी से ग्रुप ए मैच के बारे में पूछने पर कहा, ''यह (थाईलैंड) मैच शिखर पर रहेगा। मैं भाग्यशाली हूं कि अपने देश के लिये अच्छे मैच खेल रहा हूं, लेकिन यह मैच इन सबमें शीर्ष पर रहेगा। यह उन मैचों में शामिल है जिसमें टीम सचमुच अच्छा खेली। '' इस दौरान वह 105 मैचों में 67 गोल से सक्रिय खिलाड़ियों में सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गये। उन्होंने अर्जेंटीना के सुपरस्टार मेस्सी को पीछे छोड़ा जिन्होंने 128 मैचों में 65 गोल किये हैं। पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 154 मैचों में 85 गोल से शीर्ष पर हैं। वर्ष 2005 में भारत के लिये पदार्पण करने वाले छेत्री ने कहा कि उनकी टीम ने थाईलैंड के खिलाफ इतने बड़े अंतर से जीत करने की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा, ''हमें अच्छे प्रदर्शन का भरोसा था लेकिन ईमानदारी से कहूं तो हमने नहीं सोचा था कि यह 4-1 होगा। थाईलैंड की टीम काफी अच्छी है, तकनीकी तौर पर काफी बेहतर है। हमने किसी ने भी नहीं सोचा था कि हमें 4-1 से जीत मिलेगी लेकिन हमें अच्छे प्रदर्शन का भरोसा था। '' छेत्री ने कहा, ''मैं प्रदर्शन से काफी खुश हूं और यह हमारे लिये अच्छी शुरूआत है। मुझे लगता है कि टीम की एकजुटता, टीम की आपसी समझ और जज्बे ने इस जीत में अहम भूमिका अदा की। '' यह पूछने पर कि पहले हाफ के बाद मुख्य कोच स्टीफन कांस्टेनटाइन और खिलाडियों के बीच में क्या बातचीत हुई जिससे टीम ने दूसरे हाफ में बेहतरीन खेल दिखाया। छेत्री ने कहा, ''हमने यह सुनिश्चित किया कि हम उन्हें उनका नैसर्गिक खेल नहीं खेलने देंगे। पहले हाफ में, उन्होंने गेंद पर कब्जा बनाये रखा और वे काफी मजबूत थे। हम जानते थे कि यह उनका मजबूत पक्ष है। '' उन्होंने कहा, ''इसलिए हमें उन पर दबाव डालना था और उनका नैर्सिगक खेल नहीं खेलने देना था। हमने ऐसा ही किया। संदेश झिगन और अनस इदाथोडिका ने काफी साहस दिखाया और हमें कहा कि आगे जाओ। यह आसान काम नहीं है, । लेकिन यह उन कारणों में एक रहा जिसने हमें जीत दर्ज करने में मदद की। '' दिल्ली का यह स्ट्राइकर इस एशिया कप में पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया (107) के भारत की ओर से सर्वाधिक मैच खेलने के रिकार्ड को भी अपने नाम कर लेगा।

मैक्कूलम ने छोड़ा 'कैच- ऑफ द सेंचुरी', फिर भी चारों तरफ हो रही है प्रशंसा

नई दिल्ली। बिग बैश लीग के 21वें मुकाबले में 37 साल के ब्रैंडन मैक्कुलम 'कैच ऑफ द सेंचुरी' कैच पकड़ने से चूक गए। लेकिन बावजूद इसके मैक्कुलम द्वारा की गई कोशिश की चारों तरफ से खूब प्रशंसा हो रही है। मैक्कुलम ने ब्रिस्बेन हीट की तरफ से खेलते हुए पर्थ स्कोर्चर्स के खिलाफ मैच में अपने क्षेत्ररक्षण से सबको हैरान कर दिया। पर्थ स्कोर्चर्स की पारी के 14वें ओवर में मिशेल मार्श ने एक जोरदार हवाई शॉट लगाया। उन्होंने शॉट तो गैप में ही लगाया था लेकिन ब्रेंडन मैक्कुलम ने तेज दौड़ लगाई और गेंद तक पहुंचने की कोशिश की। गेंद हवा में तेजी के साथ अपना रास्ता तय कर रही थी। ब्रेंडन मैक्कुलम ने गेंद को अपनी पहुंच से बाहर जाता देख चीते की तरह हवा में छलांग लगा दी। गेंद उनके बाएं हाथ में समां चुकी थी, लेकिन मैक्कुलम हवा में गुलाटियां खाते हुए जमीन पर गिर रहे थे और ऐसे में वह गेंद पर अपनी पकड़ कायम नहीं रख सके। गेंद भले ही उनके हाथ से छिटक गई, लेकिन साथी क्रिकेटर, कॉमेंटटर से लेकर दर्शक तक उनकी इस कोशिश से हैरान रह गए।

अभी नहीं कहूँगा अलविदा, आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करके विश्व कप टीम में करूंगा वापसी: युवराज

कोलकाता।

दिग्गज हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह ने रविवार को यहां कहा कि वह आगामी विश्व कप की टीम में जगह बनाने के लिए 'अपना सर्वश्रेष्ठ' प्रदर्शन करना चाहेंगे। बंगाल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच के लिए यहां पहुंचे युवराज ने कहा, 'क्रिकेट ने मुझे सब कुछ दिया है। मैं चाहता हूं जब मैं इस खेल को अलविदा कहूं तो अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म में रहूं। मैं किसी पछतावे के साथ नहीं जाना चाहता हूं।' आईपीएल की नीलामी में पंजाब के 37 साल के इस बल्लेबाज को मुंबई इंडियन ने उनके आधार मूल्य पर टीम से जोड़ा है। युवराज इस टी20 टूर्नामेंट के जरिए वापसी करना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश कर रहा हूं। यह हमारा आखिरी (ग्रुप चरण) रणजी ट्रॉफी मैच है और देखते हैं क्वालीफाई कर पाते है या नहीं। इसके बाद राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट और आईपीएल है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खुद के साथ अच्छा होने की उम्मीद करूंगा।' युवराज ने इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला जीतने पर विराट कोहली की नेतृत्व वाली भारतीय टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'जाहिर है कि हमारी बल्लेबाजी में अनुभव की कमी थी लेकिन खिलाडियों का शानदार प्रयास रहा।

खासकर चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। निचले क्रम में ऋषभ पंत को बड़ा स्कोर बनाते देखना अच्छा अनुभव रहा।'

अनियंत्रित कार नदी में गिरी, दंपत्ति समेत पुत्र की मौत

सूरत। शहर के मोटा वराछा क्षेत्र में एक अनियंत्रित कार तापी नदी में जा गिरी। देखते ही देखते कार नदी के पानी में डूब गई और उसमें सवार दंपत्ति और उसके पुत्र की मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची अमरोली पुलिस ने जांच शुरू की है।

जानकारी के अनुसार सूरत के मोटा वराछा क्षेत्र के लजामणी चौक के निकट दोपहर के समय अहमदाबाद पासिंग की एक कार के चालक तापी नदी के किनार टर्न ले रहा था। उस वक्त चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और तापी नदी में गिर गई। देखते ही देखते कार नदी में डूब गई। घटना के वक्त कार में दंपत्ति और उसका पुत्र सवार थे। खबर मिलत ही फायर ब्रिगेड समेत पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। फायर के जवानों ने सबसे युवक और बाद में उसकी पत्नी तथा अंत में 2 साल के बच्चे से नदी से बाहर निकाला। तीनों को बेहोशी की हालत में सूरत के स्मीमेर अस्पताल पहुंचायागया। जहां डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतकों की शिना त नहीं हुई है। अमरोली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पतंगबाजी कर रहे ७७ वर्षीय वृद्ध की छत पर गिरने से मौत

सूरत। शहर के सगरामपुरा क्षेत्र में ७७ वर्षीय एक वृद्ध घर की छत पर पतंग उडा रहे थे, उस वक्त पाइप में पैर फंसने वह छत गिरकर बेहोश हो गए। पुत्र समेत परिजनों ने वृद्ध को अस्पताल पहुंचा जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सूरत के सगरामपुरा क्षेत्र के वितराग दर्शन एपार्ट निवासी ७७ वर्षीय महेन्द्रभाई मणीलाल भरतिया बीती शाम लैट के पांचवीं मंजिल की छत पर पतंग उड़ा रहे थे। पतंगबाजी में मस्त वृद्ध का पैर वहां लगा पाइप में फंस गया और वहीं गिरकर बेहोश हो गए। वृद्ध के पुत्र संजय समेत परिजन उन्हें तुरंत ए ब्युलैंस 108 में उपचार के लिए निजी अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान वृद्ध ने दम तोड़ दिया। अठवा पुलिस मामले की जांच कर रही है। निवृत्त महेन्द्रभाई पत्नी भानुबेन के साथ एपार्टमेंट में रहते थे। उनके संतान में एक पुत्र और एक पुत्री है। पुत्र संजय पिपलोद में रहता है।

भाजपा सरकार के खिलाफ अल्पेश ठाकोर 20 जनवरी से करेंगे एकता यात्रा

अहमदाबाद। उत्तरी गुजरात के पाटण से कांग्रेस विधायक अल्पेश ठाकोर ने फिर एक बार राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने का फैसला किया है और आगामी 20 जनवरी से एकता यात्रा निकालने जा रहे हैं। जिसके लिए एक अत्याधुनिक केरेवैन भी तैयार की गई है। जिसमें आरामदेह सोफा, विशाल टीवी स्क्रीन, साउंड सिस्टम और मिनी फ्रीज समेत जरूरी सुविधाएं उपलब्ध है। जिसमें सवार होकर अल्पेश ठाकोर किसानों और बेरोजगारी के मुद्दे पर आगामी 20 जनवरी से उत्तरी गुजरात के अंबाजी से एकता यात्रा करेंगे। इस एकता यात्रा के जरिए अल्पेश ठाकोर गुजरात की भाजपा सरकार को घेरने का प्रयास करेंगे और उसकी असफलता को लोगों के सामने लाएंगे।

नोटबंदी के बाद गुजरात में 10 करोड़ से अधिक जाली नोट पकड़ी गई

सूरत। गुजरात में पिछले चार साल के दौरान 14 करोड़ रुपए से ज्यादा की जाली नोट पकड़ी है। जिसमें 10 करोड़ रुपए से अधिक नोटबंदी के बाद यानी दो साल में पकड़ी गई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद, भ्रष्टाचार और जाली नोट की रोकथाम के उद्देश्य से 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी ऐलान किया था। लेकिन जाली नोटों के मामले में ज्यादा सफलता मिलती नहीं दिख रही। नोटबंदी के फैसले के बाद पिछले दो साल में गुजरात से 10.16 करोड़ रुपए के जाली नोट पकड़े गए हैं। जबकि नोटबंदी से पहले वर्ष 2015-16 के दौरान केवल 3.96 करोड़ की जाली नोट पकड़ी गई थीं। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2015 में रु. 15918300 और वर्ष 2016 में रु. 23729050 की जाली नोट पकड़ी गई। जबकि नोटबंदी के बाद वर्ष 2017 में रु. 90088850 और वर्ष 2018 में रु. 11535795 के जाली नोट पकड़े गए हैं। इस प्रकार कुल चार साल में केवल गुजरात से रु. 14.13 करोड़ के जाली नोट पकड़े जा चुके है।

महिला के ऊपर से गुजरा टैंपो, बाल बाल बची महिला

सूरत। जाको राखे साइयां मार सके न कोय को सार्थक करने वाली घटना सूरत के उधना से सामने आई है। जहां एक महिला सड़क के बीच खड़ी होकर सांईबाबा के दर्शन कर रही थी, तब रिवर्स में आ रहे टेंपो के टक्कर से महिला सड़क पर गिर पड़ी और टे पो उसके ऊपर से गुजर गया। अच्छी बात यह रही है कि टे पो के गुजरते ही महिला तुरंत उठकर खड़ी हो गई और वहां से रवाना हो गई। यह पूरी घटना घटनास्थल के निकट लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। महिला को चपेट में लेनेवाला टेंपो महानगर पालिका का था जो डोर टू डोर कूडा उठाता था। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और टे पो चालक को खरी खोटी सुनाने लगे। महिला की तकदीर अच्छी थी कि इस हादसे में उसे खरोंच तक नहीं आई।

हर्ष मेहता ने ९९.९८ पर्सेन्टाइल के साथ केट में टॉप किया

अहमदाबाद। आईआईएम सहित देश की टॉप की मैनेजमेन्ट उच्च संस्थानों में एन्ट्री के लिए ली जाती कॉमन एडमिशन टेस्ट (केट) की परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया है। जिसमें अहमदाबाद के हर्ष मेहता ने ९९.९८ पर्सेन्टाइल हासिल करके पूरे गुजरात में पहला नंबर हासिल किया है। अहमदाबाद के २६ विद्यार्थियों ने ९९ से ज्यादा पर्सेन्टाइल लेकर शहर का नाम रोशन किया है। यह २६ में से दस विद्यार्थी मैनेजमेन्ट क्षेत्र में श्रेष्ठ शिक्षा और मार्गदर्शन उपलब्ध कराती टाइम (ट्रायम्फन्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एज्यूकेशन) के आये होने से सोमवार को टाइम संस्था द्वारा केट में चमके दस विद्यार्थियों का विशेष सम्मान किया गया और उनके परिणाम द्वारा अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा दी गई। कॉमन एडमिशन टेस्ट के परिणाम में गुजरात के करीब ४० विद्यार्थी सफल होने का अनुमान है। जिसमें टाइम एज्यूकेशन इंस्टीट्यूट के १० विद्यार्थी शामिल है जिन्होंने ९० फीसदी से ज्यादा पर्सेन्टाइल हासिल किया है। यह विद्यार्थियों में अहमदाबाद के हर्ष मेहता ९९.९८ पर्सेन्टाइल, पार्थय शाह-९९.८७ पर्सेन्टाइल, अक्षय खत्री-९९.८३ पर्सेन्टाइल, विशाल अग्रवला-९९.६३ पर्सेन्टाइल और स्वरी के जैन ९९.०५ पर्सेन्टाइल शामिल है। टाइम एज्यूकेशन से तैयारी करने वाले और ९९.९८ पर्सेन्टाइल गुजरात के टॉपर हर्ष मेहता ने एरोस्पेस इंजीनियरिंग में बी टेक किया है और यह फिलहाल इसरो में वैज्ञानिक के तहत ड्यूटी कर रहे है।

मजदूर विरोधी नीति के विरोध में दो दिन हड़ताल

बैंकों-दवाई की दुकान, पोस्ट ऑफिस, बीमा ऑफिस बंद

दो दिन की हड़ताल की वजह से बैंकों से लेकर इंडस्ट्रीज बंद रहने की वजह से जनजीवन ठप होने की संभावना

अहमदाबाद। केन्द्र सरकार की मजदूर विरोधी नीति के विरोध में ३५ ट्रेड यूनियन काउन्सील के ऐलान के तहत मंगलवार को बैंको, केमिस्ट्स, पोस्ट ऑफिस, बीमा ऑफिस, आंगनवाड़ी सहित के कर्मचारी हड़ताल पर जाएंगे। स्टेट बैंक को छोड़कर शहर की सभी सरकारी बैंकों, पोस्ट ऑफिस, बीमा ऑफिस और दवाई की दुकानें भी ८ और ९ जनवरी को बंद रहेंगे। बैंकों से लेकर इंडस्ट्रीज भी बंद रहने से सामान्य जनजीवन ठप होने की संभावना है। इस तरह आम आदमी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

ट्रेड यूनियन काउन्सील के ऐलान के अनुसार, श्रम कानून में परिवर्तन, राष्ट्रीयकृत बैंकों के मर्जर और निजीकरण, कर्मचारियों की कॉन्ट्रैक्ट बेइज भर्ती सहित की १२ मांगों को लेकर हड़ताल किया गया है। राज्यभर के निर्माणकाम उद्योग के मजदूरों, आंगनवाड़ी बहनों, आशावर्कर बहनों, टेक्सटाइल और डायमंड के मजदूरों, बीमा कंपनी के कर्मचारियों, पोस्ट और टेलिफोन सहित के कर्मचारी हड़ताल पर जाने की वजह से नागरिकों की सामान्य सेवा पर असर पड़ेगा। ३५ जितने यूनियन ने दो दिवसीय हड़ताल में शामिल होने से बैंकों से लेकर इंडस्ट्रीज तक के औद्योगिक क्षेत्र ठप होंगे, जिसकी वजह से जनजीवन ठप हो जाएगा। महंगाई के मामले में मजदूरों और कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन १८,००० रुपया होना चाहिए ऐसी १२ मांगों को लेकर आंदोलन शुरू किया गया है। यूनियन के सीनियरों का कहना है कि, गत समय हड़ताल करके विरोध प्रदर्शन किया गया था। उस समय में सरकार ने आश्वासन दिया था फिर भी अभी तक इसे लागू नहीं किया गया है। ११७ ट्रेड यूनियन हड़ताल में शामिल होने से २० करोड़ कर्मचारी दो दिवसीय हड़ताल पर रहेंगे। इस हड़ताल में आंगनवाड़ी की डेढ़ लाख बहन भी शामिल होगी। जबकि मजदूर शामिल होने से औद्योगिक क्षेत्र सूनसान बनेंगे। पोस्ट ऑफिस, बीमा ऑफिस भी बंद रहेंगे। निर्माणकाम सेक्टर भी दो दिन बंद रहेंगे।

हॉलसेल में प्याज दो रुपये किलो लेकिन व्यापारी ज्यादा वसूलते है

अहमदाबाद। सब्जी की हॉलसेल मार्केट में प्याज फिलहाल दो रुपये किलो बेची जा रही है लेकिन पानी की कीमत पर मार्केट यार्ड में हॉलसेल में नीलामी में बेची जाती यह प्याज सब्जी बाजार में आते तक में दस गुना वृद्धि की कीमत के साथ पहुंचने से किसानों और महिलाओं को मिल रही है।

सब्जी मार्केट में खुलेआम लूट और मुनाफाखोरी को लेकर एक तरफ महिलाएं परेशान है तो किसान भी मार्केट यार्ड में चाहिए ऐसी कीमत नहीं मिलने से दुखी है, क्योंकि यह प्याज खुदरा कीमतों पर बेचा जाए तब दस गुना कीमत वृद्धि के साथ बेचा जाता है। व्यापारियों और बिचौलिए खुलेआम लूट और मुनाफाखोरी कर रहे है। अब महिलाओं ने इस मामले में सरकार को उचित कदम उठाने के लिए अनुरोध किया है।

लोगों को प्याज सस्ते में मिल सके ऐसा है, लेकिन बिचौलिए की मुनाफाखोरी की वजह से खेत से घर तक पहुंचने तक प्याज महंगी हो जाती है। अभी नासिक से आती प्याज बिल्कुल सस्ती है, इसके साथ राज्य में होती प्याज की कीमत ज्यादा होने से औसत कीमत ज्यादा वसूला जा रहा है। प्याज की कीमत को ज्यादा कम होने से रोकने के लिए और स्टोक क्लीयर करने के लिए किसान पानी की कीमत पर प्याज बेच रहे है। नए वर्ष में ही प्याज ने किसानों को कठिन परिस्थिति का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्रभर के मार्केट में भी प्याज की कीमत कम होने से व्यापारी विशेष करके पुराना प्याज के लिए बड़े डिस्काउन्ट की ऑफर कर रहे है। प्याज लंबे समय तक टिके नहीं होने से उनको एक क्वीन्टल के १०० रुपये से ३०० रुपये की कीमत पर बेचा जा रहा है। एक बार सौदा हो इसके बाद खरीदने वाले को एक क्वीन्टल प्याज फ्री में दिया जाता है। महाराष्ट्र सरकार ने १नवंबर से १५ दिसम्बर, २०१८ के दौरान बेचे गये प्याज पर किलो पर दो रुपये की सब्सीडी देने की घोषणा की थी। गर्मी के सिजन में लिया गया प्याज की फसल का जीवन छह महीने की होती है और यह प्याज अक्टूबर से पहले इस्तेमाल कर देने की होती है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)